आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार एकांश
देहरादून (उत्तराखण्ड)
मंगलवार 17.02.2026 समय 1830

मुख्य समाचार :–

- उत्तराखंड का बजट सत्र 9 मार्च से भराड़ीसैंण विधानसभा में शुरू होगा।
- कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को सशक्त और सूचना–समृद्ध बनाने के उद्देश्य से भारत–विस्तार नामक डिजिटल पहल का शुभारंभ किया।
- राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा – आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भारत की तकनीकी क्षमता को वैश्विक मंच पर स्थापित कर रहा।
- राज्य सरकार शिक्षकों को एआई में दक्ष बनाने के लिए सतत व्यावसायिक विकास कार्यक्रम विकसित करेगी।

उत्तराखंड बजट सत्र

उत्तराखंड का बजट सत्र 9 मार्च से गैरसैंण के भराड़ीसैंण विधान सभा में आयोजित किया जाएगा। सत्र 13 मार्च तक चलेगा। विधानसभा सचिवालय ने भराड़ीसैंण विधानसभा में सत्र को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। सत्र के लिए 500 से अधिक प्रश्न विधानसभा सचिवालय को प्राप्त हो चुके हैं। विधान सभा सचिव धनंजय चतुर्वेदी की ओर से जारी पत्र में यह जानकारी दी गई।

भारत–विस्तार

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को सशक्त और सूचना–समृद्ध बनाने के उद्देश्य से भारत–विस्तार नामक डिजिटल पहल का शुभारंभ किया। केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज जयपुर से किसानों के लिए डिजिटल सहयोगी 'भारत विस्तार' का शुभारंभ किया। इस पहल का उद्देश्य किसानों को स्मार्ट, सशक्त और सूचना–समृद्ध बनाना है। इस प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसान अपने मोबाइल फोन से एक ही कॉल में सभी आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकेंगे। इस अवसर पर केंद्रीय कृषि मंत्री ने इसे कृषि क्षेत्र में डिजिटल क्रांति की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि इस पहल से किसानों को फसल आधारित वैज्ञानिक सलाह, मंडी मूल्य और मौसम संबंधी जानकारी मिलेगी। श्री चौहान कहा कि सरकार का लक्ष्य फसलों का उत्पादन बढ़ाना है।

राज्यपाल गुरमीत सिंह

राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने कहा ने कि शिक्षा केवल डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की सशक्त आधारशिला है। रुड़की स्थित कोर यूनिवर्सिटी में द्वितीय दीक्षांत समारोह में उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि वे अपने ज्ञान, कौशल और संकल्प के बल पर विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। राज्यपाल ने कहा कि आज का युवा जागृत और जागरूक है, इसलिए भारत को विश्व नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ने से कोई रोक नहीं सकता। राज्यपाल ने इस अवसर पर विश्वविद्यालय में विकसित हो रही स्टार्टअप संस्कृति और उद्योगोन्मुख शिक्षा प्रणाली की सराहना की। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की कि संस्थान के विद्यार्थियों को उच्च पैकेज प्राप्त हुए हैं, जो गुणवत्ता और अनुशासन का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अंतर्राष्ट्रीय आयोजन भारत की तकनीकी क्षमता को वैश्विक मंच पर स्थापित कर रहा है।

चारधाम यात्रा

इस वर्ष 19 अप्रैल से शुरू हो रही चारधाम यात्रा को लेकर शासन प्रशासन तैयारियों जुटा हुआ है। इस वर्ष यमुनोत्री और गंगोत्री धाम के कपाट 19 अप्रैल को श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। जबकि बदरीनाथ के कपाट 23 अप्रैल को और केदारनाथ धाम के कपाट 22 अप्रैल को खुलेंगे। चारधाम यात्रा को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि विगत चारधाम यात्रा के अनुभवों से सीख लेते हुए सरकार इस वर्ष श्रद्धालुओं के लिए यात्रा और अधिक सुगम और सुरक्षित बनाने में जुटी हुई है।

'मातृ संस्कार समागम'

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि जीवन में ऊंचा पद या प्रतिष्ठा नहीं, बल्कि मजबूत चरित्र और स्पष्ट उद्देश्य ही व्यक्ति को महान बनाते हैं। राजकीय दून मेडिकल कॉलेज, पटेल नगर, देहरादून में आयोजित 'मातृ संस्कार समागम' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन समाज और राष्ट्र के विकास में मातृशक्ति की भूमिका को और अधिक सशक्त एवं व्यवहारिक रूप से समझने की दिशा में महत्वपूर्ण सिद्ध होगा। मातृशक्ति को परिवार की धुरी बताते हुए श्री धामी कहा कि परिवार समाज की मूल इकाई है , यदि परिवार सशक्त होगा तो समाज और राष्ट्र भी सशक्त होंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि माता द्वारा दिए गए संस्कार ही व्यक्ति के चरित्र, विचार और व्यवहार की नींव रखते हैं और उनमें नैतिकता, धैर्य, सहनशीलता और समाज के प्रति उत्तरदायित्व की भावना विकसित करते हैं।

'ऑपरेशन क्रैकडाउन'

देहरादून में कानून–व्यवस्था को सुदृढ़ करने और संदिग्ध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए पुलिस ने 'ऑपरेशन क्रैकडाउन' के तहत व्यापक सत्यापन अभियान शुरू किया है। इसके तहत शहर और आसपास के क्षेत्रों में किरायेदारों, बाहरी व्यक्तियों और संदिग्ध लोगों की गहन जांच की जा रही है। देहरादून के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोभाल ने बताया कि अब तक दो हजार से अधिक लोगों का सत्यापन किया

जा चुका है। उन्होंने बताया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई करते हुए करीब 20 लाख रुपये से अधिक का चालान वसूला गया है। उन्होंने कहा कि यह अभियान जारी रहेगा।

उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा

प्रदेश में 21 फरवरी से शुरू हो रही उत्तराखंड बोर्ड की परीक्षाओं की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। परीक्षा के लिए प्रदेशभर में 1261 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं। इसमें 50 एकल और 1211 मिश्रित केंद्र हैं। इन केंद्रों में 156 संवेदनशील और छह अति संवेदनशील हैं। 1261 परीक्षा केंद्रों पर दो लाख से ज्यादा छात्र परीक्षा देंगे। वहीं उत्तर पुस्तिकाओं के संकलन के लिए 39 केंद्र बनाए गए हैं। जबकि मूल्यांकन के लिए 29 केंद्र बनाए गए हैं और हर मूल्यांकन केंद्रों पर सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था की जाएगी।

आउटसोर्स एजेंसी से तैनाती

जनगणना–2027 के के लिए पौड़ी जिले में जिला स्तर पर आउटसोर्स एजेंसी के माध्यम से तकनीकी सहायक एवं एमटीएस की तैनाती की जाएगी।

जनगणना कार्य निदेशालय, उत्तराखण्ड के निर्देशों के क्रम में जिला प्रशासन द्वारा निविदा आमंत्रित की गयी है। अपर जिलाधिकारी अनिल सिंह गर्ब्याल ने बताया कि जिला कार्यालय पौड़ी में 2 तकनीकी सहायक व एक एमटीएस की तैनाती की जाएगी। यह नियुक्ति अधिकतम 16 से 18 माह के लिए होगी। कार्य अवधि पूर्ण होने पर यह व्यवस्था स्वतः समाप्त मानी जाएगी। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 20 फरवरी अपराह्न 2 बजे निर्धारित की गयी है।

एआई दक्षता

प्रदेश के शिक्षकों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस–एआई में दक्ष बनाने के लिए राज्य सरकार सतत व्यावसायिक विकास–सीपीडी कार्यक्रम विकसित करेगी। इसका उद्देश्य उन्नत डिजिटल तकनीक से शिक्षकों को लैस करते हुए कक्षा शिक्षण को एआई आधारित नवाचारों से जोड़ना है, ताकि छात्रों के अधिगम परिणामों में सुधार लाया जा सके। भविष्य की शिक्षा प्रणाली में एआई की बढ़ती भूमिका को देखते हुए राज्य स्तर पर एक समग्र रणनीति तैयार की जा रही है। इसके तहत शिक्षकों को डिजिटल प्रशिक्षण मॉड्यूल, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म और इंटरेक्टिव टूल्स के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। उत्तराखंड अकादमी शोध एवं प्रशिक्षण निदेशक बंदना गर्ब्याल ने कहा कि एआई को शिक्षकों के सशक्तिकरण का महत्वपूर्ण माध्यम बनाने का संकल्प लिया गया गया है।

लर्निंग एप

अल्मोड़ा जिले के राजकीय प्राथमिक विद्यालय मटीला धूरा के प्रधानाध्यापक भास्कर जोशी ने नो इंटरनेट क्विज नामक लर्निंग एप बनाया है। यह एप बिना किसी नेटवर्क या डाटा के आसानी से चलता है। यह एप बच्चों को ऑन लाइन माध्यम से भी क्विज, अभ्यास प्रश्न और विषय वार सीखने की सुविधा देता है। पर्वतीय दुर्गम और नेटवर्क विहीन क्षेत्रों में यह पहला डिजिटल एप शिक्षा की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। शिक्षक भास्कर जोशी ने कहा कि वह विगत 12 वर्षों से नवाचार शिक्षा से जुड़े हैं, उन्होंने 8 शैक्षणिक एप बनाए हैं। उनके शैक्षणिक एप को राज्य और केंद्र सरकार द्वारा सराहा गया है। उन्होंने कहा कि वह ए आई तकनीक पर आधारित शिक्षा, और रोबोटिक शिक्षा को बढ़ावा दे रहे हैं, ताकि भविष्य में बच्चों के काम आए।